हरिभूमि
मध्यांचल भूमि
रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

बलौदाबाजार | भाटापारा | तिल्दा-नेवरा | खरोरा | लवन | कसडोल | पलारी-अमेरा | बिलाईगढ़ | संडी बंगला

भालूकोना में विराजित हैं मां चितावर दाई, प्रज्वलित होते हैं सैकड़ों ज्योति कलश

हेमेश चेरियन ⏭ संडी बंगला

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के संडी से क़रीब 10 किमी दूर स्थित ग्राम मोहरा के पास भालूकोना गांव में स्थित चितावार धाम (चितावर माता मंदिर) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। तिल्दा कोटा से संडी मार्ग पर स्थित यह मंदिर अपने शांत वातावरण और प्राकृतिक हरियाली के कारण श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। मां चितावर दाई के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। मंदिर से जुड़ा प्राचीन इतिहास, माता की उत्पत्ति की लोक मान्यता, प्रथम पुजारी की स्मृतियां, पवित्र जलकुंड और नवरात्रि के दौरान होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन इस धाम को विशेष पहचान देते हैं। लोक मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में भालूकोना क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था। इसी क्षेत्र में मां चितावर दाई (चितावर माता) की स्वतः उत्पत्ति हुई थी। माता की उत्पत्ति से जुड़ी इस मान्यता के बाद यह स्थान एक पवित्र तीर्थ और दर्शनीय स्थल के रूप में विख्यात हुआ। समय के साथ मां चितावर दाई के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती गई और यह मंदिर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल हो गया। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में नौ दिनों तक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इनमें जसगीत, रामायण गान और मानस कथा के विशेष आयोजन शामिल हैं।

भक्तों के सहयोग से वर्ष 2005 में हुआ था मंदिर का नवनिर्माण

भक्तों के सहयोग से हुआ भव्य मंदिर का नवनिर्माण

पहले चितावार धाम में मां चितावर दाई का एक छोटा-सा मंदिर हुआ करता था। बाद में भक्तों के सहयोग से मंदिर का नवनिर्माण कराया गया। वर्ष 2005 में यहां भव्य मंदिर का नवनिर्माण हुआ, जिससे मंदिर को नया स्वरूप मिला। भक्तों की सहभागिता और माता के प्रति आस्था ने मंदिर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



चैत और क्वार नवरात्रि में मनाया जाता है भव्य उत्सव

चितावार धाम में चैत और क्वार, दोनों नवरात्रि के अवसर पर भव्य धार्मिक उत्सव मनाया जाता है। इन दिनों मंदिर में माता की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना के साथ सैकड़ों की संख्या में भक्त तेल और घी के मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करवाते हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहता है और श्रद्धालु मां चितावर दाई के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं।



चितावर का पानी कुंड कभी नहीं सूखने की मान्यता

मंदिर परिसर के पास चितावर का पानी नाम से प्रसिद्ध एक कुंड स्थित है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि इस कुंड का पानी कभी नहीं सूखता। धाम से जुड़ा यह जल स्रोत अपनी विशेष मान्यता के कारण भी जाना जाता है। मंदिर में माता के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह कुंड धाम की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। चितावार धाम के प्रथम पुजारी श्री जानकी दास महाराज जी थे। वे मूल रूप से छत्तीसगढ़ के पिपरिया गांव के निवासी थे। उन्होंने यहां प्रथम पुजारी के रूप में सेवा की थी। मंदिर परिसर में उनकी समाधि और मूर्ति भी स्थापित की गई है। इस तरह धाम में मां चितावर दाई की पूजा-अर्चना के साथ प्रथम पुजारी जानकी दास महाराज की स्मृतियां भी जुड़ी हुई हैं।

नवरात्रि विशेष



अष्टमीः महागौरी

महागौरी देवी भगवती का आठवां स्वरूप है । आठवें नवरात्रि को माता के महागौरी स्वरुप की आराधना का विधान है। महागौरी ही देवी शाकुंभरी, दुर्गा, त्रिनेत्री, मन्शा, चंडी और शताक्षी हैं । देवी महागौरी ने पार्वती रुप में महादेव को पति के रुप पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। इससे उनका शरीर कृष्णवर्णी हो गया । इस तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव ने इनके शरीर पर पावन गंगाजल की धारा डाली। फौरन महामाता विद्युतप्रभा के समान कांतिमान गौरवर्ण की ही गई। तभी से इनका नाम महागौरी पड़ा। महादेव से दैवी शक्तियों हासिल करने के बाद महागौरी ने शुंभ-निशुंभ, चंड-मुंड, रक्तबीज आदि दैत्यों का संहार किया। इन्हें दुर्गा नाम भी दिया गया। महागौरी की उपमा शंख, चंद्र और कंद के फूल से की गई है। इनके समस्त वस्त्र, आभूषण आदि श्वेत है। इनकी चार भुजाएं हैं और वाहन वृषभ है।



नवमीः सिद्धिदात्री

नवम नवरात्रि को देवी माता के मंडपों में सिद्धिदात्री देवी की आराधना होती है। सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां स्वरूप है। माता की यह शक्ति सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लांघना, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व यह आठ सिद्धियां है। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। सिद्धिदात्री को ही जगत को चलाने वाली देवी कहा गया है। देवी पुराण के अनुसार महादेव ने इनकी कृपा से ही सिद्धियां प्राप्त की थी। इन्ही के कृपा से सदाशिव का आधा शरीर देवी का हुआ है। यह भी कथा है कि मधु-कैटभ के वध के लिए महादेवी ने महामाया फैलाई और उसके अनेक रुप हो गए। भ्रमित दानवों ने पूछा कि देवी जब तुम अकेली हो तो इतनी सारी शक्तियां कौन है। तब देवी ने कहा कि सब मेरी शक्तियां हैं। मुझसे अलग कुछ नहीं है। इतना कहते देवी ने तमाम शक्तियां समेट ली और केवल सिद्धिदात्री मां ही रह गई। ऐसे ही समुद्र मंथन के समय सिद्धिदात्री देवी ने ही असुओं को भ्रम में डाला था। सिद्धिदात्री मां कमला ही धन-धान्य की प्रतीक हैं। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली है। कमल पुष्प इनका आसन है। देवी के दाहिने तरफ के नीचे वाले हाथ में चंद्र, उपर वाले हाथ में गदा और बांई तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और उपर वाले हाथ में कमल पुष्प है। जगत का कल्याण करने वाली यह देवी नवरात्री की अधिष्ठात्री भी है। सिद्धिदात्री मां के भक्तों की लौकिक-पारलौकिक सभी प्रकार की कामनाएं पूर्ण होती हैं। सिद्धिदात्री माता का आराधना का मंत्र है-

सुवा-गरबा महोत्सव : आज महोत्सव का अंतिम दिन, अतिथियों की मौजूदगी में होगा पुरस्कार वितरण

पारंपरिक और आधुनिक संगीत के संगम ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कसडोल

शारदीय नवरात्र की भक्ति, संगीत और उल्लास के बीच कसडोल नगर में सुवा-गरबा महोत्सव की धूम मची हुई है। शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में जय मां दुर्गा सुवा एवं गरबा उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में हजारों कदमों की थिरकन से पूरा मैदान गूंज रहा है। पारंपरिक गरबा की रंगीन छटा, डांडिया की खनक और आधुनिक फ्यूजन संगीत ने आयोजन को खास बना दिया है। पहले दिन से ही उमड़ रही भीड़ के बीच प्रतिभागियों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। महोत्सव की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गरबा खेलने के लिए बनाए गए घेरे का आकार भी बढ़ाना पड़ा है। कसडोल नगर के साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों के सामूहिक नृत्य और आकर्षक प्रस्तुतियां दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। जैसे-जैसे रात गहराती है, वैसे-वैसे मैदान में गरबा का उत्साह और अधिक बढ़ जाता है।

बढ़ती भीड़ के साथ बढ़ाया गया गरबा सर्किल



बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मिल रहा सम्मान

आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के साथ प्रतिभागियों के प्रदर्शन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समिति के सदस्य वेद व्यास साहू, आशीष साहू, धर्मेंद्र साहू, राकेश यादव सहित अन्य सदस्य गरबा सर्किल में प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों पर नजर रखते हैं। बेहतर तालमेल, आकर्षक स्टेप्स और शानदार प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को मंच पर आमंत्रित कर पुरस्कृत किया जाता है। इससे प्रतिभागियों में उत्साह के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिल रही है। जय माँ दुर्गा गरबा उत्सव समिति के रोशन ध्रुव, पूरन साहू, शैलेन्द्र साहू, खगेन्द्र दिव्यकार, दीपक साहू, राहुल साहू, गोल्डी साहू, ओमी साहू, योगेश साहू, यश राव, मोनू राव एवं सदस्यों का सहयोग मिल रहा है। समिति के सदस्यों ने बताया कि सुवा-गरबा महोत्सव का आज अंतिम दिवस है। इस अवसर पर अतिथिगण शामिल होंगे और विभिन्न प्रस्तुतियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जिसमे मुख्य अतिथि क्षेत्रिय विधायक संदीप साहू, मुख्य प्रयोजक नवीन मिश्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष नागेश्वर साहू, जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता बालेश्वर वैष्णव सहित जनप्रतिनिधिगण शामिल है। आयोजक समिति ने नगर एवं क्षेत्रवासियों से अंतिम दिन कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।



सीटी बजते ही शुरू होता है जोश और तालमेल का दौर

आयोजन स्थल पर अलग-अलग सर्किल बनाए गए हैं, जहां प्रतिभागी अनुशासन के साथ अपनी जगह लेते हैं। रात करीब 10 बजे तक गरबा खेलने वालों का मैदान में पहुंचना जारी रहता है। माता की पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात समिति के सदस्यों की सीटी बजते ही प्रतिभागी तैयार हो जाते हैं और शुरू होता है गरबा का जोशीला दौर। लगभग आधे घंटे तक माता की आरती पूजन के पश्चात चलने वाले इस दौर में एक के बाद एक पारंपरिक गरबा गीतों पर प्रतिभागी अपनी लय, ताल और आकर्षक स्टेप्स का प्रदर्शन करते हैं। मैदान में चारों ओर उमंग, उल्लास और भक्ति का अनूठा वातावरण दिखाई देता है।

छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों ने बटोरीं तालियां

महोत्सव में बच्चों की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई हैं। नन्हे प्रतिभागी छत्तीसगढ़ी रीमिक्स की धुनों पर गरबा कर दर्शकों की खूब तालियां बटोर रहे हैं। उनकी मासूम अदाओं और उत्साहपूर्ण नृत्य को देखकर दर्शक भी उनका हौसला बढ़ाते नजर आते हैं। कई प्रस्तुतियों के बाद दर्शकों की ओर से दोबारा नृत्य देखने की मांग भी की जा रही है। छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति और आधुनिक संगीत के इस संगम ने महोत्सव को एक अलग पहचान दी है।

दीपिका मिंज को मिली एएसपी की कमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोपालपुर



छत्तीसगढ़ पुलिस में पदोन्नति के क्रम में बिलाईगढ़ में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) दीपिका मिंज को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के पद पर पदोन्नति मिली है। 17 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल ने उनके कंधों पर अशोक स्तंभ रैंक बैज लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वर्ष 2015 बैच की डीएसपी दीपिका मिंज पुलिस विभाग में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुकी हैं। उन्होंने कोरबा, अंबिकापुर, चौथी बटालियन माना (रायपुर) और चिरमिरी में अपनी जिम्मेदारियां निभाई हैं। वर्तमान में वे बिलाईगढ़ में एसडीओपी के पद पर पदस्थ हैं। दीपिका मिंज की पदोन्नति से जिले के पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है।

बाइक व रिक्शा में भिड़ंत, महिला का पैर टूटा, डायल 112 ने पहुंचाया अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बगबुड़ा



नवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिर दर्शन कर घर लौट रहे श्रद्धालु सड़क हादसे का शिकार हो गए। अहिल्दा रोड पर बाइक और रिक्शा के बीच हुई टक्कर में मोटरसाइकिल सवार तीन लोग घायल हो गए। हादसे में एक महिला का पैर टूट गया, जबकि अन्य घायलों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को लवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, ससहा गांव से श्रद्धालु नवरात्रि पर्व के अवसर पर लवन स्थित मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे।

डायल 112 की टीम ने दिखाई तत्परता

सड़क हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम ने तत्काल सहायता पहुंचाई। पुलिस आरक्षक प्रीतम सिंह और वाहन चालक राजकुमार साहू ने घायलों को समय पर लवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने में मदद की, जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। स्थानीय लोगों ने की सराहना। हादसे के बाद घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में डायल 112 की टीम की भूमिका की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

सरसीवां-हसौद मार्ग पर की मरम्मत व डामरीकरण शुरू



हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़पार सरसीवां

जिले में बरसात के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं संधारण कार्यों में तेजी लाई गई है।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा सरसीवा-हसौद मार्ग पर सड़क के गड्ढों को भरने और क्षतिग्रस्त हिस्सों में डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों, यात्रियों एवं वाहन चालकों को आवागमन में राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि बरसात के दौरान लगातार बारिश से जिले के विभिन्न मार्गों की सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। जगह-जगह गड्ढे बनने से आम नागरिकों, विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

जनसुविधा एवं सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्रीमती साहू ने समय-सीमा की बैठक में सड़कों की स्थिति की समीक्षा कर लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित निर्माण एजेंसियों को बरसात के बाद तत्काल मरम्मत एवं संधारण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग द्वारा सरसीवा

हसौद मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों में गड्ढों की मरम्मत एवं डामरीकरण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। सड़क की सतह दुरुस्त होने से वाहनों की आवाजाही सुगम होगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से आवागमन करने वाले नागरिकों को सुविधा मिलेगी। इस मार्ग के सुधरने से स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों एवं दैनिक आवागमन में भी सहूलियत होगी।जिला प्रशासन द्वारा जिले की सड़कों को बेहतर बनाने तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सड़क मरम्मत एवं संधारण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

गोड़ा की श्री रामलीला मंडली का गौरवशाली सफर

51वें वर्ष में भी जीवंत है रामलीला की परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलारी



विकासखंड पलारी के आदर्श ग्राम पंचायत गोड़ा में प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के अवसर पर श्री रामलीला का भव्य मंचन किया जाता है। इस वर्ष रामलीला मंडली अपने सफल 51वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। श्री रामलीला मंडली गोड़ा के अध्यक्ष एवं संचालक तेजराम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम गोड़ा में लगभग वर्ष 1959-1960 में स्व सुन्दर लाल सोनी, स्व कृष्ण लाल सोनी, स्व फिरतु राम यादव, स्व गेंदराम वर्मा एवं स्व अवध राम वर्मा के नेतृत्व में मंडली का गठन हुआ था और रामलीला का प्रारंभ किया गया था। वर्ष 1971 में किसी कारणवश इसका मंचन बंद हो गया था। इसके बाद वर्ष 1975 में तेजराम वर्मा के नेतृत्व में बाल सेना का गठन किया गया और श्री रामलीला मंडली का मंचन पुनः प्रारंभ हुआ। श्रीराम लीला मंडली में कलाकारों द्वारा पात्र एवं भूमिकाएं भूमिका निभाई जाती है तेजराम वर्मा श्री राम, रोहित वर्मा लक्ष्मण, आत्माराम वर्मा हनुमान, खोरबाहराम वर्मा रावण की पात्रों की भूमिका मंचन को जीवंत बनाती है। मंडली द्वारा अपने 50वें वर्ष के अवसर पर स्वर्ण जयंती के रूप में धूमधाम से मनाई गई। मंडली के सदस्यों ने बताया कि चुनौतियां और वर्तमान स्थिति 51 वर्षों के इस लंबे सफर में मंडली ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान समय में मंडली को संगठित रखना तथा पात्रों को संतुष्ट करना एक कठिन कार्य हो गया है। टीवी, मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक प्रचार-प्रसार के कारण गाँवों में लीला देखने वाले दर्शकों की संख्या में कमी आई है।

दान/चंदे की कमी, रात्रि का जागरण होना, उपहास उड़ाना

इसके बावजूद रामलीला मंडली द्वारा प्रतिबद्धता जताते हुए तथा तमाम समस्याओं के बावजूद श्री रामलीला मंडली निरंतर मंचन कर रही है। इसके माध्यम से समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया जाता है कि भगवान रामचंद्र जी के आदर्श चरित्र को नाटक के रूप में देखकर मनुष्य अपने जीवन में अच्छे संस्कारों और मर्यादाओं का पालन करें। राम और रावण के कर्मों को देखकर व्यक्ति विकृतियों से बचे तथा जीवन में सही व उचित मार्ग का चयन करे। पूजा-पाठ से बढ़कर अपने कर्मों पर ध्यान देना चाहिए। पंचदिवसीय आयोजन व श्री रामलीला के द्वितीय दिवस मों गौरी पूजन, मीना बाजार और फुलवारी लीला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रामलीला रूपी वृक्ष को सींचने व योगदान देने वाले मृतात्मा को याद कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही, क्षेत्र के वरिष्ठ जनों का सम्मान गमछा, श्रीफल और मोमेंटो भेंट कर किया गया। मंच प्रबंधन में गिरवर यादव (मैनेजर), शंकर सोनी, बाबूलाल यादव, महेश धीवर, लालजी रावत, अनुप वर्मा, दुष्यंत वर्मा, प्रेमलाल वर्मा, घनश्याम वर्मा, डोमन वर्मा सहित कुल 40 कलाकार मंडली में काम कर रहा है।

विराजित मां दुर्गा



ग्राम पंचायत छड़िया के बजरंग चौक में विराजित माँ दुर्गा





खबर संक्षेप

महाकाली मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद





गिधपुरी। ग्राम खपरी के मुख्य मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध महाकाली मंदिर में भव्य महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और महाप्रसाद ग्रहण किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। समिति के सदस्यों द्वारा महाकाली माता का विशेष श्रृंगार कर महाआरती की गई। इसके पश्चात दोपहर से भंडारा का वितरण शुरू हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। आस-पास के क्षेत्रों और ग्राम खपरी के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर पूरी श्रद्धा के साथ महाप्रसाद पाया। मंदिर समिति के सेवादारों ने व्यवस्था संभालते हुए सभी भक्तों को सुगमता से दर्शन और प्रसाद उपलब्ध कराया। श्रद्धालुओं ने बताया कि रोड किनारे विराजे इस महाकाली मंदिर में लोगों की गहरी आस्था है। यहां आने वाले हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों और मंदिर उत्सव समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

लखपति दीदियों का सम्मान



खरोरा। जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल द्वारा जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-05 में संचालित जनचौपाल एवं जनसमस्या निवारण जनसंपर्क अभियान का अंतिम चरण ग्रामीणों के उत्साह और जनभागीदारी के बीच संपन्न हुआ। खपरीडीह से शुरू हुआ अभियान कुम्हारी (जारा), मोतिमपुर कला, पड़ाभाट सहित विभिन्न गांवों से होते हुए केशला पहुंचा। इस दौरान ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा, आतिशबाजी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वागत किया। अभियान की शुरुआत ग्राम खपरीडीह में जगतगुरु गोसाईं गुरु मुक्ति दास साहेब की गुरु गद्दी के पूजन से हुई। इसके बाद खपरीखुर्द में जैतखाम की पूजा-अर्चना कर जनचौपाल आयोजित की गई। नवीन अग्रवाल ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनचौपाल में बिहान योजना के अंतर्गत आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहीं लखपति दीदियों का सम्मान किया गया।









अंचल में नवरात्रि की धूम, गांव- गांव गूंज रहे माता रानी के जयकारे

गरबा, सुवा नृत्य, जसगीत और आकर्षक झांकियां बनीं उत्सव का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ गिधपुरी

गिधपुरी अंचल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शारदीय नवरात्रि का पर्व धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया जा रहा है। भवानीपुर सिसदेवरी बम्हनी चरौदा मोहान धौराभाटा हरीनभट्ठा लटेरा रिवाडीह मलपुरी और जुनवानी सहित विभिन्न गांवों में माता रानी की आराधना के साथ गांव गांव में जयकारे गूंज रहे हैं। पूरे अंचल में भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है। नवरात्रि के अवसर पर गांवों में जगह जगह भव्य पंडाल सजाए गए हैं। आकर्षक विद्युत सजावट रंग बिरंगी रोशनी और मनमोहक झांकियां श्रद्धालुओं का



ध्यान खींच रही हैं। इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में भी माता रानी की बड़ी बड़ी प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सुबह और शाम होने वाली आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद ले रहे हैं।

गरबा सुवा नृत्य और जसगीत से भक्तिमय माहौलः

नवरात्रि उत्सव के दौरान विभिन्न गांवों में गरबा सुवा नृत्य जसगीत और धार्मिक झांकियों का आयोजन किया जा रहा है। शाम होते ही पंडालों और गांव के चौक चौराहों पर रौनक बढ़ जाती है। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आते हैं। कई स्थानों पर आयोजन समितियों द्वारा प्रसादी वितरण भी किया जा रहा है।

रंगोली प्रतियोगिता और खेलकूद में दिख रहा उत्साह : धार्मिक आयोजनों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। कई गांवों में रंगोली प्रतियोगिता कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों युवाओं और महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। आयोजन समितियों और ग्रामीणों द्वारा गली मोहल्लों की साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नवरात्रि के चलते ग्रामीण अंचल में उत्सव का रंग देखते ही बन रहा है। आकर्षक रोशनी से सजे पंडाल और जगमगाते चौक चौराहे दीपावली जैसा माहौल बना रहे हैं। धार्मिक आस्था और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया जा रहा यह पर्व गांवों में सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दे रहा है। माता रानी के जयकारों से गूंजता गिधपुरी अंचल इन दिनों पूरी तरह भक्तिमय नजर आ रहा है।





बंगोली में सप्तमी पर बांटी गई खीर-पूरी

बंगोली। शारदीय नवरात्र पर्व के चलते ग्राम बंगोली के भाटापारा सरपंच मुहल्ला में मॉ दुर्गा की प्रतिमा स्थापना किया गया। जिसके चलते सप्तमी तिथि पर भण्डारा का आयोजन किया गया। भण्डारा में चॉवल, सब्जी, खीर पुड़ी तथा जलेबी का प्रसादी खिलाया गया। वहीं तिवारी पेट्रोल पम्प में हलवा, पुड़ी का वितरण किया गया।

शक्ति कॉन्वेंट में नवरात्रि महोत्सव, गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सिमगा। शक्ति कॉन्वेंट स्कूल, सिमगा में नवरात्रि महोत्सव श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया।



कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पारंपरिक भारतीय वेशभूषा धारण कर भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और सनातन परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। विशेष आकर्षण मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित विद्यार्थियों की मनमोहक वेशभूषा रही, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी एवं मां सिद्धिदात्री का रूप धारण कर उनकी धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता को प्रदर्शित किया। इन आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल देवी मां के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी प्राप्त की, बल्कि भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नारी शक्ति के महत्व को भी समझा। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण पारंपरिक गरबा नृत्य रहा। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। गरबा के माध्यम से गुजरात सहित भारत की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर अभिव्यक्ति देखने को मिली। विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

नवजागृति दुर्गोत्सव द्वारा भण्डारा का आयोजन

बंगोली। शारदीय नवरात्र पर्व के चलते नवजागृति दुर्गोत्सव समिति बजरंग चौक बंगोली द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी चॉवल, खीर, पुड़ी, सब्जी का भण्डारा करवाया गया जिसका समस्त ग्रामवासीयों ने प्रसादी ग्रहण किया।



नवरात्रि पर धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित, महिलाएं और बच्चियां हुईं सम्मानित

हिरमी रावन। आदर्श मित्र मंडल दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की आराधना के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में आरती सजाने, कलश सजाने सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर महिलाएं और बच्चियां धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त कर रही हैं। इस अवसर पर समिति के सदस्यों एवं





जिला मंत्री किसान मोर्चा भाजपा बलौदाबाजार एवं सरपंच प्रतिनिधि जवाहरलाल वर्मा द्वारा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली बच्चियों और महिलाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। नवरात्रि के दौरान आयोजित इन प्रतियोगिताओं से पूजा-पाठ के साथ सामाजिक सहभागिता और आपसी सद्भाव को भी बढ़ावा मिल रहा है। समिति द्वारा मां दुर्गा की आराधना, आरती और विभिन्न धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से भक्तिमय वातावरण निर्मित किया जा रहा है। आयोजन में स्थानीय श्रद्धालुओं की सहभागिता से उत्सव की रौनक बढ़ रही है। समिति के इस प्रयास से बच्चों और महिलाओं को अपनी कला एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने का मंच मिल रहा है। साथ ही धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का संदेश भी दिया जा रहा है।

भवानीपुर में रामलीला का मंचन बना आकर्षण का केंद्र

गिधपुरी। गिधपुरी अंचल के ग्राम पंचायत भवानीपुर में आदर्श रामलीला मंडली द्वारा प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करते हुए भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच रहे हैं और भक्तिभाव के साथ मंचन का आनंद ले रहे हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी गांव में प्रभु श्रीरामचंद्र जी की रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा राम जन्म, फुलवारी लीला, राम वनवास और भरत मिलाप सहित विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया जा रहा है। कलाकार अपनी शानदार प्रस्तुति से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर रहे हैं। रामलीला के दौरान प्रस्तुत की जा रही



आकर्षक झांकियां और कलाकारों का अभिनय दर्शकों का मन मोह रहे हैं। वहीं जोकर की हास्य प्रस्तुति से दर्शक खुलकर खिलखिला रहे हैं। दूसरी ओर भरत मिलाप के भावुक प्रसंग ने श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं। मंच पर कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे विविध प्रसंगों के माध्यम से लोगों को भगवान श्रीराम के आदर्शों, त्याग, प्रेम और भाईचारे का संदेश मिल रहा है। गांव में रामलीला को लेकर उत्साह का माहौल है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला, पुरुष और बच्चे आयोजन स्थल पर पहुंचकर धार्मिक आयोजन का आनंद ले रहे हैं। रामलीला मंडली के कलाकारों की प्रस्तुति और आकर्षक झांकियां लोगों के बीच विशेष आकर्षण बनी हुई हैं।

देवी मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

लवन। नवरात्रि का पावन पर्व चल रहा है ऐसे में देवी मंदिरों ,विराजित दुर्गा पंडालों में देवी माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ दिखाई दे रहा है। गुरुवार पंचमी तिथि विशेष होने परबलौदाबाजार जिला के लवन स्थित माँ महामाया मंदिर, रावांभाटा की मंदिर में राज ज्योति 10, तेल ज्योति 1071 कुल 1081 ज्योति कलश प्रज्वलित हुए हैं। वही बलौदाबाजार जिले तहसील लवन के महामाया मंदिर में तेल ज्योति कलश की संख्या 4880 एवं घी ज्योति कलश की संख्या 463 वहीं माँ बंजारी धाम में तेल ज्योति कलश प्रज्वलित हुआ है। इस संबंध में माँ महामाया मंदिर के प्रमुख पुजारी भावेश तिवारी, माँ बंजारी धाम के प्रमुख पुजारी नरोत्तम चौबे ने पत्रकारों को बताया कि बहुत दूर-दूर से भक्तों की भीड़ दर्शन के लिए माँ के मंदिर में पहुंचरहे हैं। आज पंचमी तिथि के चलते भीड़ ज्यादा रहा।



पलारी में सुवा व गरबा महोत्सव का समापन

पलारी।नगर पंचायत पलारी के शांति स्टेडियम में सिद्धेश्वर युवा मंच के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय सुवा एवं गरबा महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव के प्रथम दिवस छत्तीसगढ़ी सुवा नृत्य, द्वितीय दिवस थीम आधारित प्रस्तुतियां तथा तृतीय दिवस गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। तीनों दिनों में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए और प्रतिभागियों की शानदार प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी वेशभूषा एवं गरबा की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। बेस्ट डांस, यूनिक ड्रेस, गरबा एंटरटेनर, सीजी क्वीन और गरबा क्वीन जैसी श्रेणियों में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कसडोल विधायक संदीप साहू ने पुरस्कार प्रदान कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। गरबा उत्सव के दूसरे दिन ग्राम जारा निवासी युवा सौरभ देवांगन को पांच वर्ष में 20 हजार किमी की देश भर में पदयात्रा करने पर सम्मानित भी किया गया।



समिति सदस्यों का रहा सराहनीय योगदान

वहीं, संरक्षक गोपी साहू ने कहा कि महोत्सव के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के साथ स्वच्छता, नशामुक्ति और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण हैं। तीन दिवसीय सुवा एवं गरबा महोत्सव को सफल बनाने में सिद्धेश्वर युवा मंच के संरक्षक रोहित साहू, मनीष चंद्राकर, कपिल कश्यप नगर पंचायत उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा, ओसराम साहू, लक्ष्मी वर्मा, संजीव राय, विजय साहू सिद्धेश्वर युवा मंच के अध्यक्ष सौरभ वर्मा हर्षू वर्मा, साधराम साहू, शेरखान, हर्षवर्धन वर्मा, शिवम मिश्रा, खोमेश वर्मा, गोलू वर्मा, तिलक बंजारे, हयात खान, अंकित जोशी, सुल्तान बेग, नितिन वर्मा, रश्मि ठाकुर, वंदना चंद्राकर, सीमा वर्मा, कुसुम साहू, किरण साहू, सरिता वर्मा, महेश्वरी बंजारे, परिधि वर्मा, मानसी फेकर, रामकुमार यदु, प्रियांशु वर्मा, तुषार यादव, सीनू जांगड़े, पुनीत रजक, अरुण बंजारे, अंशु साव, सूरज निर्मलकर, राघव रजक, गोवर्धन यादव विजय रजक एवं अश्विक मिश्रा सहित सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सभी के सामूहिक प्रयास, समर्पण और सहयोग से यह आयोजन भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



भव्य दुर्गा पंडाल, तहसील कार्यालय परिसर, बलौदा बाजार

आकांक्षा जायसवाल ने लटूवा, झोंका केशडबरी व भरसेली में किया जनसंपर्क

बलौदाबाजार। जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल ने नवरात्रि के अवसर पर ग्राम लटूवा, झोंका, केशडबरी और भरसेली का दौरा कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न पूजा पंडालों एवं धार्मिक स्थलों में माता के दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही ग्रामीणों से सौजन्य मुलाकात कर उनकी समस्याओं, स्थानीय आवश्यकताओं और विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न विकास कार्यों एवं सामुदायिक सुविधाओं से जुड़ी आवश्यकताओं से जिला पंचायत अध्यक्ष को अवगत कराया। उन्होंने ग्रामीणों की बातें सुनीं और क्षेत्र के



विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। ग्राम लाटूवा में उन्होंने सहाड़ा देव चौक यादव पारा, कन्नौजे पारा, रामगुड़ी चौक, शीतला माता स्थल, नीम चौक, बजरंग चौक, राधा-कृष्ण मंदिर चौक, ठाकुर देव चौक, तिगड्डा चौक, लक्ष्मी सागर चौक, दर्री पारा, कन्नौजे सामुदायिक भवन स्थल, गौरी-गौरा चौक, दशहरा मैदान चौक, गणेश चौक, सरस्वती चौक, स्कूल पारा एवं कुर्मी पारा सहित विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया।

खबर संक्षेप



पलारी थाना में शांति समिति की बैठक में प्रतिमा विसर्जन पर चर्चा

संडी बंगला/पलारी। नवरात्रि एवं दशहरा उत्सव को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पलारी थाना परिसर में थाना प्रभारी रागनी राय के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा पूजा, दशहरा उत्सव और प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में दुर्गा पूजा समितियों से धार्मिक आयोजनों के दौरान अनुशासन बनाए रखने, यातायात व्यवस्था का ध्यान रखने तथा प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की गई। साथ ही त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने, अफवाहों से दूर रहने और सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश प्रसारित नहीं करने की बात कही गई।

ग्राम खैरताल में अवैध शराब बिक्री का आरोप

अर्जुनी। क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री का अवैध कारोबार बढ़ती जा रही है। बलौदाबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरताल में अवैध शराब बिक्री की शिकायत सामने आ रही है ।ग्रामीणों का आरोप है कि खैरताल में गली-गली अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। कथित तौर पर दलालों के माध्यम से देर रात तक शराब की सप्लाई की जाती है, जिससे शराब आसानी से उपलब्ध हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस गतिविधि के कारण क्षेत्र में लड़ाई-झगड़े और मारपीट की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो रही है । खैरताल में अवैध शराब बिक्री का प्रभाव आसपास के गांवों तक पहुंच रहा है। कोचियों द्वारा भद्रापाली, मूढ़ीपार, मल्दी और देवरानी सहित कई गांवों में शराब आसानी से उपलब्ध रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो इसका असर गांवों के सामाजिक माहौल और युवाओं पर पड़ सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में देर रात तक शराब पहुंचाने का काम किया जाता है। इससे शराब की उपलब्धता बनी रहती है और संबंधित गतिविधियों पर नियंत्रण को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

शिवरीनारायण महानदी गंगा आरती में शामिल हुए रितेश्वर महाराज



गिधौरी। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शिवरीनारायण में महानदी चौपाटी स्थित घाट पर आयोजित महानदी गंगा आरती में सद्गुरु रितेश्वर महाराज विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां महानदी की आरती की और लगातार आयोजित हो रही दिव्य आरती की सराहना की।
मीडिया से चर्चा करते हुए सद्गुरु रितेश्वर महाराज ने कहा कि शबरी मैया की भक्ति, प्रेम और समर्पण का संदेश समाज में बैर भावना को समाप्त कर आपसी सद्भाव बढ़ाने वाला है। उन्होंने शिवरीनारायण में शबरी मैया का भव्य मंदिर बनाए जाने की बात भी कही। महानदी गंगा आरती में जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार एवं रायगढ़ जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु और गुरु भक्त शामिल हुए। दीपों की जगमगाहट एवं वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर संजय अग्रवाल ने कहा कि महानदी गंगा आरती सहित सभी धार्मिक कार्य गुरुदेव के आशीर्वाद से संपन्न हो रहे हैं। महानदी चौपाटी स्थित घाट पर अनवरत आयोजित हो रही गंगा आरती धार्मिक आस्था, संस्कृति और नदी संरक्षण का संदेश दे रही है।

भाटापारा में 21.27 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भाटापारा

कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में कुल 21.27 लाख की लागत से होने वाले दो सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि भाटापारा के विकास और नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयास करना हमारी प्राथमिकता रही है। विकास का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन को सुविधाजनक बनाना और प्रत्येक क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएँ किसी भी शहर के विकास की आधारशिला होती हैं। कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में सीसी रोड निर्माण से स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिलेगी और कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन नगर की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर सभापति गोविंद पटेल मनीष मिश्रा पार्षद संतीश साहू बब्बू मंधान राजेश साहू भुवन ठाकुर कीर्तन जायसवाल गयत्री आडिल रागिनी डोंडे आयेश खान वेकाट राव सुरेश गुप्ता मंत्रीत सिंह सप्पल नूर मोहम्मद आलोक जायसवाल शिव पुरोहित उस्लाम ट्वान रवि वर्मा रणजीत सिंह राबा हेमलाल वी गोपी ध्रुव शिवम केशरवानी आदि उपस्थित शामिल रहे।

कृष्णा कॉलोनी और नया पारा वार्ड में बनेगी सीसी रोड



मूलभूत समस्याओं का निराकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास, नागरिकों की समस्याओं का समाधान और बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर पालिका परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में 21.27 लाख के सीसी रोड निर्माण कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि "हमारा उद्देश्य केवल विकास कार्यों की घोषणा करना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर जनता को उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना है। अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासोन्मुखी विजन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी सोच तथा वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन से नगरीय क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

महर्षि वाल्मीकि के इसी आश्रम में हुआ था लव-कुश का जन्म

संतानदात्री मानी जाती हैं तुरतुरिया की माता सीता, नवरात्रि में लगता है मेला

गणेश शंकर साहू ⏭ कसडोल











माता सीता के निवास और लव कुश के जन्मस्थल परम पावन धाम तुरतुरिया में संतान दात्री तुरतुरिया माता मंदिर में नवरात्रि पर भक्तों की कतार लग जाती है। यह स्थान बरनवापारा के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ है। वैदिक काल से ही इस स्थान का बड़ा महत्व रहा है। इस स्थान पर एक झरने का पानी तुरतुर की ध्वनि से बहता है, जिससे इस स्थान का नाम तुरतुरिया पड़ा। मान्यता है कि यहां संतान की मनोकामना पूरी होती है।

अंचल के लोगों का माता पर विशेष आस्था है। पहाड़ी पर मातागढ़ मंदिर स्थित है, जहाँ माता सीता और तुरतुरिया दाई (मातागढ़ी) विराजमान हैं। इन्हें संतान दात्री देवी माना जाता है। दूर-दूर से निसंतान दंपती संतान सुख की मन्नत मांगने यहाँ आते हैं। यहाँ चैत्र और क्वार (अश्विन) नवरात्रि के दौरान विशाल मेला लगता है। भक्तजन प्रतिदिन बहुत दूर दूर से अपने मनोकामना पूर्ति हेतु माता के दर्शन को आते है।

याद रहे छत्तीसगढ़ अपनी पुरातात्विक सम्पदा के कारण आज भारत ही नहीं विश्व में भी अपनी एक अलग पहचान है। यहां प्राचीन इतिहास के साक्ष्य आज भी विध्यमान हैं जो छत्तीसगढ के लिये एक गौरव है। इसी प्रकार का एक प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थल विकासखंड मुख्यालय कसडोल से 22 कि.मी. दूर और सिरपुर से 25 कि.मी. की दूरी पर स्थित है जिसे तुरतुरिया के नाम से जाना जाता है। उक्त स्थल को सुरसुरी गंगा के नाम से भी जाना जाता है। यह स्थल प्राकृतिक दृश्यों से भरा हुआ एक मनोरम स्थान है जो पहाड़ियों से घिरा हुआ है। तुरतुरिया बहरिया नामक गांव के समीप बलभद्री नाले पर स्थित है जो कि बालमदेही नदी के नाम से प्रसिद्ध है। जनश्रुति है कि त्रेतायुग में महर्षि वाल्मीकि का आश्रम यहीं पर था और परम प्रतापी भगवान श्रीराम के पुत्र लव कुश की यही जन्मस्थली थी। यहाँ उन्होंने विद्या भी प्राप्त की।

कथा - तुरतुरिया के बारे में कहा जाता है। कि भगवान श्री राम द्वारा परित्याग करने पर वैदेही माता सीता को फिंगेश्वर के समीप सोरिद अंचल ग्राम के(रमईपाठ) में छोड़ गए थे वहीं माता का निवास स्थान था। माता सीता की प्रतिमा आज भी उस स्थान पर है। जब मां सीता के बारे मे महर्षि वाल्मीकि जी को पता चला तो माता को अपने साथ तुरतुरिया ले आए और सीता मां यहीं आश्रम में निवास करने लगी, वहीं लव कुश का जन्म हुआ। मान्यता है कि 'लव' के नाम पर पास के शहर का नाम लवन और 'कुश' के नाम पर कसडोल पड़ा था।

मोटरसाइकिल रैली का स्वागत, फाइट अगेंस्ट ड्रग्स व नशामुक्ति का दिया संदेश



हरिभूमि न्यूज ⏭ सिमगा

राष्ट्रीय एकता दिवस-2026 के अवसर पर नशा मुक्त भारत के लिए एकजुट कदम और फाइट अगेंस्ट ड्रग्स की थीम पर छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी मोटरसाइकिल रैली रविवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा नगर पहुंची। इस महत्वपूर्ण अभियान का उद्देश्य युवाओं और समाज को नशामुक्त बनाना तथा देश में एकता और सुरक्षा का संदेश देना है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन में मोटरसाइकिल रैली के सिमगा पहुंचने पर रॉयल ढाबा सिमगा के पास एक भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष, भाजपा श्री आनंद यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्री भागवत सोनकर एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन लाल सिन्हा, एसडीपीओ भाटापारा मयंक रणसिंह, थाना प्रभारी सिमगा परिवेश तिवारी द्वारा रैली में शामिल अधिकारियों और जवानों का पुष्पहार व आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए नशे के भयानक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने अपील करते हुए कहा कि /"नशा छोड़ो, ताकत चुनो, नशा छोड़ो, परिवार जोड़ो और नशा छोड़ो, अपना लक्ष्य चुनो के संकल्प के साथ समाज को नशामुक्त बनाने में हर नागरिक अपनी सहभागिता निभाए। स्वस्थ युवा, सुरक्षित समाज और मजबूत भारत के निर्माण के लिए नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

रैली का रूट और सहभागिता

यह राष्ट्रव्यापी मोटरसाइकिल यात्रा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से होते हुए महासमुंद, रायपुर, सिमगा, बेमेतरा, कवर्धा तथा अन्य राज्यों का भ्रमण करते हुए अपनी मंजिल 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' एकता नगर (गुजरात) की ओर अग्रसर है। इस प्रेरणादायक मोटरसाइकिल यात्रा में छत्तीसगढ़ पुलिस एवं ओडिशा पुलिस के वीर जवान संयुक्त रूप से पूरी ऊर्जा और अनुशासन के साथ शामिल होकर नागरिकों को जागरूक कर रहे हैं। सिमगा नगर में अल्प विश्राम, स्वागत सत्कार और जन-जागरूकता संदेश के पश्चात यह मोटरसाइकिल रैली अगली कड़ी के तहत बेमेतरा जिले के लिए रवाना हुई। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा इस राष्ट्रव्यापी अभियान को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है।



संस्कृति ज्ञान परीक्षा में 184 विद्यार्थी शामिल हुए

सिमगा। स्थानीय शक्ति कान्वेंट स्कूल में भारतीय संस्कृति की गौरवशाली विरासत, प्राचीन ज्ञान परंपरा, महान ऋषियों-मुनियों के आदर्शों तथा नैतिक जीवन मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में विद्यालय के 184 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उक्त आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझने, भारतीय परंपराओं पर गर्व करने तथा जीवन में संस्कारों का महत्व आत्मसात करने का अवसर मिला। इस प्रकार की परीक्षाओं का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान का मूल्यांकन करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना भी है। इसमें भारतीय सभ्यता की विशेषताओं, वेदों एवं उपनिषदों की ज्ञान परंपरा, रामायण एवं महाभारत जैसे महाकाव्यों से मिलने वाली शिक्षाओं, भारतीय महापुरुषों के जीवन आदर्शों, महान संतों के विचारों तथा नैतिक एवं सामाजिक कर्तव्यों जैसे विषयों के प्रति रुचि विकसित करने पर बल देना है। आज के आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, सहिष्णुता, सेवा भावना, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम जैसे गुणों का विकास भी आवश्यक है। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा इसी सोच को साकार करने का एक सार्थक माध्यम है।

आदिम जाति विकास विभाग का नाम बदलने पर आदिवासी कांग्रेस का विरोध



भटगांव। प्रदेश आदिवासी कांग्रेस की आह्वाहन पर जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के आदिवासी कांग्रेस ने जिला अध्यक्ष सहदेव सिंह सिदार के नेतृत्व में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपे है। आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष सहदेव सिंह सिदार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा आदिम जाति विकास विभाग की नाम को परिवर्तन कर जनजाति कार्य विभाग किए है। जिसकी वजह से प्रदेश भर के आदिवासी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचा है। आदिम जाति विकास विभाग के नाम आदिवासी समाज की पहचान है, ऐतिहासिक परंपरा एवं जनभावनाओं से जुड़ा हुआ है। सरकार आदिवास समाज की जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विभाग का नाम यथावत आदिम जाति विकास विभाग ही रखे। अगर नाम में परिवर्तन करते है तो आदिवासी कांग्रेस प्रदेश भर में आंदोलन करने बाध्य होंगे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सहदेव सिंह सिदार, सारंगढ़ ब्लाक अध्यक्ष विजय सिदार, बरमकेला ब्लाक अध्यक्ष बाबूलाल सिदार, जिला सह सचिव नीलांबर सिंह सिदार, सियाराम बारिहा ब्लाक महामंत्री सारंगढ़, राजेंद्र सिदार, गेंद लाल सिदार, पवन लाल बरिहा, शान्ति कुमार बरिहा, सोमनाथ सिदार, सुख सागर सिदार, विजय सिदार सहित आदिवासी कांग्रेस के जिला व ब्लाक के पदाधिकारी लोग शामिल रहे।

खपराडीह धान खरीदी केंद्र में चबूतरा सह शेड निर्माण का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुहेला

ग्राम पंचायत पड़कीडीह के अंतर्गत धान खरीदी केंद्र खपराडीह में चबूतरा सह शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयासों से स्वीकृत इस निर्माण कार्य से क्षेत्र के किसानों को धान विक्रय के दौरान बड़ी राहत मिलेगी। भाजपा सुहेला मंडल अध्यक्ष हेमंत बघमार एवं समिति प्रबंधक पीतांबर वर्मा की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने इसे किसानों के हित में महत्वपूर्ण पहल बताया। भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमंत बघमार ने कहा कि किसानों की सुविधा और उनकी उपज की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। धान खरीदी केंद्र में चबूतरा सह शेड निर्माण होने से किसानों को धान रखने के लिए बेहतर व्यवस्था मिलेगी। उन्होंने कहा कि मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। समिति प्रबंधक पीतांबर वर्मा ने कहा कि चबूतरा सह शेड निर्माण से धान खरीदी व्यवस्था को व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए मंत्री टंक राम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत पड़कीडीह के सरपंच नागेश वर्मा ने की, जबकि समिति अध्यक्ष प्यारे लाल बाघमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति प्रवक्ता पीतांबर वर्मा, ममता लत्या, कामदेव बाघमार, शक्ति केंद्र संयोजक खोडश वर्मा, बूथ अध्यक्ष दिलेश्वर प्रसाद वर्मा, दयालु ध्रुव, बारातु पाटरे, प्रकाश पाल एवं चंद्रशेखर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, समिति सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।



अष्टमी पर हवन- पूजन...



बंगोली। शारदीय नवरात्र पर्व के चलते नवरात्रि अष्टमी तिथि को नवोदय दुर्गोत्सव समिति बाजार चौक बंगोली में पंडित शर्मा ने मॉ दुर्गा की हवन पूजन संपन्न किया।

गरबा के रंग में रंगा भटगांव, पहले दिन पल्लवी सिंह की एंकरिंग ने जमाया रंग



हरिभूमि न्यूज ⏭ भटगांव

लोटस पब्लिक स्कूल भटगांव द्वारा आयोजित दो दिवसीय रास गरबा 2026 उत्सव में पूरा भटगांव गरबा के रंग में रंगा नजर आया। अक्टूबर को आयोजित इस भव्य गरबा महोत्सव में माता रानी की पूजा-अर्चना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पारंपरिक गरबा, शानदार एंकरिंग, संगीत और उत्साह से भरपूर माहौल ने दोनों शामों को यादगार बना दिया। गरबा महोत्सव के प्रथम दिन रायपुर से पहुंचीं प्रसिद्ध एंकर पल्लवी सिंह ने अपनी शानदार प्रस्तुति, ऊर्जावान अंदाज और आकर्षक मंच संचालन से प्रतिभागियों में उत्साह भर दिया। उनकी एंकरिंग के साथ गरबा प्रेमी देर शाम तक संगीत और नृत्य के रंग में रंगे रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज दीक्षित, नगर के वरिष्ठ नागरिक नेमीचंद केशरवानी, श्यामा साहू सहित अन्य अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। माता रानी की पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुए इस आयोजन में

गरबा की धूम और सांस्कृतिक उल्लास ने बनाया यादगार



डायरेक्टर लक्ष्मी साहू ने भटगांववासियों एवं अभिभावकों का जताया आभार: आयोजन की सफलता पर लोटस पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर लक्ष्मी साहू ने समस्त भटगांववासियों, अभिभावकों, प्रतिभागियों, अतिथियों, प्रायोजकों और सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद किया।

प्रायोजकों को शील्ड देकर किया सम्मानित

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों को लोटस पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर लक्ष्मी साहू द्वारा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता में सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।सभी प्रायोजकों के सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप ले सका। आयोजक संस्था ने सभी

संजना रोहिणी ने भटगांव को गरबा के रंग में रंगा

महोत्सव के दूसरे दिन मध्यप्रदेश से पहुंचीं प्रसिद्ध एंकर संजना रोहिणी ने अपनी दमदार एंकरिंग, जोशीले अंदाज और शानदार मंच संचालन से पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। उनके आकर्षक अंदाज ने गरबा प्रतिभागियों में नई ऊर्जा भर दी और पूरा आयोजन संगीत, नृत्य तथा उल्लास से सराबोर हो गया। दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत भटगांव के उपाध्यक्ष, नगर के जाने-माने मूर्तिकार प्रदीप देवांगन तथा पत्रकारों की पूरी टीम की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों की सहभागिता ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई।

खबर संक्षेप



जिले के खिलाड़ी जालंधर रवाना

करहीबाजार। 38वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय टेनिकॉइट बालक एवं बालिका प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 17 से 21 अक्टूबर तक जालंधर, पंजाब में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य टीम के लिए हमारे जिला बलौदाबाजार से खिलाड़ी नुकिता साहू और अरुण पटेल एवं कोच शिवांशु केशरवानी दिनांक 15 अक्टूबर को जालंधर, पंजाब के लिए रवाना हुए। इस गौरवपूर्ण अवसर पर पालकगण के साथ-साथ हमारे विद्यालय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी/ हिन्दी माध्यम विद्यालय, करहीबाजार के प्राचार्य ईश्वरलाल देवदास सर भी भाटापारा रेलवे स्टेशन पहुँच कर प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनका हौसला बढ़ाया तथा उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देकर दोनों खिलाड़ियों को विदा किया।

निपनिया में प्रशिक्षण सह कार्यशाला



भाटापारा। राज्य स्वास्थ्य मिशन द्वारा जन आरोग्य समिति के तहत ग्राम पंचायत निपनिया में निपनिया, कोनी, कोदवा खपरी के पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें डागेश्वरी वर्मा, सरपंच निपनिया, कोनी, कोदवा, खपरी एवं पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए।

डॉ. एलएस ध्रुव तीसरी बार बने जिला संयोजक



बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की जिला शाखा बलौदाबाजार के जिला संयोजक पद के लिए रविवार को चुनाव कराया गया। इसमें डॉ. एलएस ध्रुव ने कामता जांगड़े को 7 मतों से पराजित कर तीसरी बार जिला संयोजक बनने का गौरव हासिल किया। फेडरेशन के प्रांतीय आदेश के अनुसार आयोजित चुनाव में जिला अध्यक्षों ने मतदान किया। जिले के लगभग 60 जिला अध्यक्षों में से 21 अध्यक्ष चुनाव के दौरान उपस्थित रहे। मतदान में डॉ. एलएस ध्रुव को 14 मत मिले, जबकि कामता जांगड़े को 7 मत प्राप्त हुए। इस तरह डॉ. ध्रुव ने 7 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। परिणाम घोषित होने के बाद उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने डॉ. ध्रुव का माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर विजय कुमार साहू, राजपाल सिंह सेन, एमपी बांधे, गुहट राम माहेश्वरी, माखन चंद्राकर, विनोद कांत, संतोष साहू, रामशंकर कंवर, डागेश्वरी यादव, बेणीराम साहू, कामता जांगड़े, मनोज कुमार साहू, बीएल दिवाकर, बीएल रॉबर्ट, अविनाश तिवारी, हरिकिशन वर्मा, संजय यादव, अरुण साहू, प्रकाश तिवारी, डॉ. उपेंद्र रात्रे और रामलाल साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पारंपरिक लोक संस्कृति और भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा दशहरा मैदान

दशहरा मैदान में सुवा नृत्य एवं गरबा उत्सव का भव्य समापन, दिखा पारंपरिक नृत्य की झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलारी



मां अम्बे गरबा उत्सव समिति पलारी के तत्वावधान में दशहरा मैदान में आयोजित भव्य सुवा नृत्य एवं गरबा उत्सव का शानदार समापन हुआ, 16 व 17 अकटुबर को आयोजित दो दिवसीय गरबा महोत्सव में पारंपरिक नृत्य कर्मा, ददरिया, सुआ, पंथी नृत्यों की झलकियां देखने को मिला कार्यक्रम को देखने एवं उत्सव का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी और आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचे। पूरा दशहरा मैदान उत्साह, उमंग और भक्तिमय माहौल से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में सुवा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं गरबा की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक लोककला, संस्कृति और धार्मिक आस्था का सुंदर संगम देखने को मिला।

आकर्षक प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरा मैदान तालियों की गूंज से गूंज उठा। मां अम्बे गरबा उत्सव समिति पलारी के इस आयोजन ने नगर की सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने और नई पीढ़ी को लोक संस्कृति से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया। भव्य आयोजन के सफल समापन पर उपस्थित लोगों ने उत्साह और उल्लास के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया वही सुव्यवस्थित आयोजन और शानदार प्रस्तुतियों के साथ सुवा नृत्य एवं गरबा उत्सव का समापन पलारी के लिए यादगार बन गया। आयोजन में समिति के संरक्षक पूर्व नगर अध्यक्ष घासीन बाई वर्मा,अध्यक्ष मंजू यादव उपाध्यक्ष स्वाति त्रिपाठी, अनीता वर्मा, भारती वर्मा,सविता यादव,राधा वर्मा, मंजू देवांगन, सरिता साहू, मंजू साहू, दिव्या निर्मलकर, प्रेमिन ध्रुव, वर्तिका अग्रवाल, आभा अग्रवाल, रेखा वर्मा, रेखा देवांगन, कौशिल्या कनौजे, बबली राठौर, राजकुमारी खंडेलवाल स्वाति साहू और चंद्रप्रभा, नीतू ठेठवार, ओम प्रकाश चंद्रवंशी, इंद्रदेव वर्मा, पवन वर्मा, भूषण ठेठवार, तुका वर्मा, बंटी वर्मा, नेतरंजन निर्मलकर, अंकुर वर्मा, संतोष देवांगन, संतोष वर्मा, गौतम यादव, आत्मदेव वर्मा, प्रमोद देवांगन, योगेश योगी वर्मा, रामबाबू पटेल, साकेत वर्मा, लिमेश वर्मा, ओमेश वर्मा, दुर्गेश यादव, प्रकाश कनौजे, संदीप देवांगन, घनश्याम वर्मा, हरीश देवांगन, हेमंत वर्मा, नेमीचंद साहू आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महामाया मंदिर में दुर्गा अष्टमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



लवन /बगबुड़ा। शारदीय नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी पर लवन स्थित प्रसिद्ध महामाया मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता महामाया के दरबार में मत्था टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। भक्त नारियल, चुनरी, फूल-माला और पूजा सामग्री लेकर माता के दर्शन के लिए पहुंचे। नवरात्रि के इस विशेष दिन पर श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था। दुर्गा अष्टमी हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक महत्व रखती है। इस दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। इसी आस्था के साथ लवन महामाया मंदिर में भी भक्तों ने माता की आराधना कर सुख-शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल और भक्तिमय वातावरण ने नवरात्रि की रौनक को और बढ़ा दिया। लवन सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए महामाया मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। दुर्गा अष्टमी के अवसर पर यहां उमड़ी भीड़ ने नवरात्रि के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा को दर्शाता है। वहीं श्रद्धालुओं के सुरक्षा के लिए लवन थाना से पुलिस बल के जवान दिनेश कुमार घृतलहरे, राकेश पाटले, ओंकार साहू एवं सोनम भट्ट मंदिर परिसर में तैनात रहे।

दुर्गा महाष्टमी पर हवन-यज्ञ के साथ विशाल प्रसाद वितरण



मुंडा। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर दुर्गा महाष्टमी के दिन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ तथा प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और माता रानी से सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कीया कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर परिवार, गांव और क्षेत्र की सुख-शांति एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजक समिति के सूर्यकांत वर्मा, डॉ हरिकिशन वर्मा, कमल नारायण वर्मा, दीनबंधु वर्मा द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि हवन-यज्ञ के पश्चात विशाल प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं, बच्चों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में उपस्थित लोगों ने आपसी सहयोग और सहभागिता के साथ धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। प्रसाद वितरण के दौरान सेवा और समर्पण की भावना देखने को मिली।नवरात्रि के आठवें दिन मनाई जाने वाली महाष्टमी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। श्रद्धालु इस अवसर पर उपवास, पूजा-पाठ, हवन और कन्या पूजन जैसे धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से माता की आराधना करते हैं। कोलिहा क्षेत्र में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने लोगों को भक्ति, सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। ग्रामीणों ने ऐसे आयोजनों को धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। भोजन भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम के दौरान रामचंद्र वर्मा, प्रदीप वर्मा, नीलमणि वर्मा, सूरीत वर्मा, डॉ हितेंद्र कुमार वर्मा, देवचन्द्र वर्मा, चंद्रकांत वर्मा, अंशु वर्मा नंदू वर्मा, तुषार वर्मा, गुलशन वर्मा, तोणेश्वर वर्मा का मुख्य सहयोग रहा।

नवरात्रि की धूम, देवी मंदिरों और पंडालों में उमड़ा आस्था का सैलाब

तिल्दा-नेवरा। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर तिल्दा-नेवरा शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है। देवी मंदिरों से लेकर दुर्गा पूजा पंडालों तक माता रानी के जयकारे गूंज रहे हैं। शहर के सिद्धपीठ महामाया मंदिर और मावली माता मंदिर में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, विभिन्न मोहल्लों में सजे आकर्षक दुर्गा पंडालों में भी भक्तों की आवाजाही लगातार बनी हुई है।रविवार को सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के दुर्गा बाड़ा, केसरवानी मोहल्ले में राधा-कृष्ण मंदिर के सामने स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। गांधी चौक और गुरु घासीदास चौक स्थित दुर्गा पंडालों में भी दिनभर भक्तों की भीड़ रही। पूजा-अर्चना, माता के दर्शन और धार्मिक आयोजनों के बीच पूरा शहर देवीमय नजर आया। कई स्थानों पर सजे पंडाल और आकर्षक विद्युत सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सोमवार, 19 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी तिथि के समय-संयोग के चलते कई स्थानों पर दोनों तिथियों से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। रायपुर क्षेत्र के पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि सुबह लगभग 10:52 बजे तक रहेगी, जिसके बाद नवमी तिथि प्रारंभ होगी। मंगलवार, 20 अक्टूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी। तिल्दा-नेवरा में भी नवरात्रि के समापन को लेकर तैयारियां तेज हैं। विभिन्न पूजा समितियों की ओर से हवन, कन्या पूजन, भंडारे और अन्य धार्मिक आयोजनों की तैयारियां की जा रही हैं।



तिथियों के फेर ने बदला पूजा-पाठ का क्रम

इस बार नवरात्रि की तिथियों के गणित के कारण अष्टमी, नवमी और दशहरा मनाने को लेकर अलग-अलग स्थानों पर पूजन का क्रम अलग नजर आ रहा है। शहर और आसपास के कई गांवों में रविवार को अष्टमी की पूजा की गई, जबकि अनेक मंदिरों और दुर्गा पंडालों में सोमवार को अष्टमी-नवमी के विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित करने की तैयारी है। इसी कारण रविवार को भी अष्टमी की पूजा नहीं होने वाले कई पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हुई। भैरवगढ़ स्थित माता मंदिर में रविवार को अष्टमी का हवन कराया गया और कन्याओं को भोज कराया गया। वहीं, महामाया मंदिर सहित कई दुर्गा पंडालों में सोमवार को हवन-पूजन और कन्या भोज के आयोजन प्रस्तावित हैं। नवरात्रि के अंतिम दिनों में श्रद्धालु माता की आराधना के साथ परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

अर्जुनी में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमा



अर्जुनी । इंदिरा चौक कटारे पारा अर्जुनी में विराजित दुर्गा मां की प्रतिमा

60 साल से अनवरत मंचन कर रही मंडली

6 दशकों से जीवंत है श्री आदर्श रामलीला की परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ करहीबाजार



क्षेत्र में धार्मिक आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक बनी श्री आदर्श रामलीला मंडली विगत 60 वर्षों से निरंतर रामलीला का मंचन करती आ रही है। छह दशकों से चली आ रही यह परंपरा आज भी लोगों के मन में भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और भक्ति का भाव जागृत कर रही है।

रामलीला भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, सत्य, धर्म, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाता है। श्री आदर्श रामलीला मंडली द्वारा वर्षों से किए जा रहे मंचन से क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। रामलीला के मंचन को देखने के लिए क्षेत्र के श्रद्धालुओं और रामभक्तों में विशेष उत्साह रहता है। कलाकार विभिन्न पात्रों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं, जिससे दर्शकों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को समझने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। छह दशकों से निरंतर रामलीला का मंचन करना मंडली की लगन, समर्पण और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का परिचायक है।

सहयोगी एवं प्रमुख कलाकार

श्री आदर्श रामलीला मंडली की यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जोड़ने का सराहनीय माध्यम बनी हुई है। मंडली के मैनेजर अजरदास मानिकपुरी ने बताया की अपने 15 वर्ष की उम्र से लक्ष्मण का किरदार से प्रारम्भ किया था और आज तक प्रभु की कृपा से मण्डली नवरात्री में लीला मंचन करते है मंडली के पात्र गण, व्यस, चमरू निषाद, मैनेजर, अजरदास मानिकपुरी, विनोद पटेल, रमेश पटेल, रामखेलावन पटेल, मुन्ना पटेल, हिरा पटेल, नोहर ध्रुव, राजेंद्र रजक देवप्रशाद यदु, नारद पटेल, जुलुस पटेल, गोपी पटेल, श्यामरतन पटेल, मुलशंकर पटेल, संतोष रजक, दुलारू यादव, बलराम यादव, तेजराम यादव, साहिल यादव, राजेश पटेल, मानिस पटेल, कृष्णा पटेल, रामचंद रजक संजय सोनी, विशेष सहयोगी, रामजी यादव, सियाचंद रजक।